

सदिदी समुदाय

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में रिलीज़ हुई फ़िल्म (रदिम ऑफ़ दम्मम) में भारत में हाशयि पर स्थिति सदिदी समुदाय पर प्रकाश डाला गया है।

- उत्पत्ति: ये 17वीं शताब्दी के अंत में पुर्तगालियों द्वारा ट्रांस-हिंदी महासागर दास व्यापार के दौरान लाए गए [अफ़्रीकी दासों](#) के वंशज हैं।
 - ये नीग्रोइड के शारीरिक लक्षणों से समानता दर्शाते हैं।
 - इन्हें हबशी (Habshi) और बादशा (Badsha) जैसे विभिन्न नामों से भी जाना जाता है।
- वर्तमान स्थान: ये मुख्य रूप से भारत के पश्चिमी तट (विशेष रूप से गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों) के आस-पास रहते हैं।
- अनुसूचित जनजाति का दर्जा: भारत में केंद्र सरकार ने वर्ष 2003 में सदिदी को [अनुसूचित जनजातियों](#) की सूची में वर्गीकृत किया।
 - ये केंद्र की [विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों](#) की सूची में भी शामिल हैं।
- परिवार प्रणाली: इस समुदाय द्वारा सामान्यतः एकल परिवार प्रणाली को अपनाया जाता है।
- सांस्कृतिक अभिव्यक्ति: सदिदी को अपने लोक संगीत एवं नृत्यों के लिये जाना जाता है जैसे धमाल और रसदा, जसिमें पुरुष धमाल नृत्य करते हैं।

और पढ़ें: [भारत में जनजातियों के अधिकार](#)